अध्याय 11: भक्तिन (महादेवी वर्मा) - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

भाग 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था?**
    - **(क) लक्ष्मी (लछमिन)**
    - **(ख) पार्वती**
    - **(ग) सरस्वती**
    - **(घ) सीता**
    - **उत्तर: (क) लक्ष्मी (लछमिन)**
2. **भक्तिन का नामकरण 'भक्तिन' किसने किया?**
    - **(क) उसके पिता ने**
    - **(ख) उसकी सास ने**
    - **(ग) महादेवी वर्मा ने**
    - **(घ) उसके पति ने**
    - **उत्तर: (ग) महादेवी वर्मा ने**
3. **भक्तिन किस ग्राम की रहने वाली थी?**
    - **(क) हँडिया**
    - **(ख) झूँसी**
    - **(ग) प्रयाग**
    - **(घ) राजापुर**
    - **उत्तर: (ख) झूँसी (शादी हँडिया में हुई थी)**
4. **भक्तिन का विवाह किस आयु में हुआ था?**
    - **(क) पाँच वर्ष**
    - **(ख) नौ वर्ष**

- (ग) बारह वर्ष
- (घ) पंद्रह वर्ष
- उत्तर: (क) पाँच वर्ष

5. भक्तिन के 'सेवक-धर्म' की तुलना किससे की गई है?
   - (क) लक्ष्मण से
   - (ख) हनुमान से
   - (ग) भरत से
   - (घ) शबरी से
   - उत्तर: (ख) हनुमान से
6. भक्तिन की कितनी पुत्रियाँ थीं?
   - (क) एक
   - (ख) दो
   - (ग) तीन
   - (घ) चार
   - उत्तर: (ग) तीन
7. ज़मींदार ने भक्तिन को कड़ी धूप में क्यों खड़ा किया था?
   - (क) काम चोरी के कारण
   - (ख) लगान न चुका पाने के कारण
   - (ग) चोरी के आरोप में
   - (घ) अनुशासनहीनता के कारण
   - उत्तर: (ख) लगान न चुका पाने के कारण
8. भक्तिन के अनुसार 'तीरथ गए मुँडाए सिद्ध' कहाँ लिखा है?
   - (क) रामायण में

- **(ख) गीता में**
- **(ग) शास्त्र में (उसके अपने तर्क के अनुसार)**
- **(घ) पुराणों में**
- **उत्तर: (ग) शास्त्र में**

9. भक्तिन लेखिका के पास किस रूप में आई थी?

- **(क) मित्र के रूप में**
- **(ख) सेविका के रूप में**
- **(ग) छात्रा के रूप में**
- **(घ) रिश्तेदार के रूप में**
- **उत्तर: (ख) सेविका के रूप में**

10.भक्तिन लेखिका के रुपए-पैसों को कहाँ छिपा देती थी?

- **(क) अलमारी में**
- **(ख) संदूक में**
- **(ग) मटकी में**
- **(घ) आँचल में**
- **उत्तर: (ग) मटकी में**

भाग 2: एक पंक्ति वाले प्रश्न (One-Line Q&A)

1. भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छिपाती थी?

- **उत्तर: क्योंकि उसका नाम लक्ष्मी (समृद्धि की देवी) था और उसका जीवन अत्यंत निर्धनता में बीत रहा था।**

2. भक्तिन की विमाता ने उसे पिता की मृत्यु का समाचार कब दिया?

- **उत्तर: जब उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी और उनकी सूचना भी अंत बन चुकी थी।**

3. भक्तिन के पति ने उसे कभी क्यों नहीं पीटा?

- उत्तर: क्योंकि वह अपनी परिश्रमी, तेजस्विनी और सच्ची पत्नी को बहुत चाहता था।

4. भक्तिन ने अपनी बड़ी बेटी के पति के रूप में किसे चुना था?
   - उत्तर: उसने अपने चुने हुए बड़े दामाद को 'घरजमाई' बनाकर रखा था।
5. भक्तिन ने शहर आने का निर्णय क्यों लिया?
   - उत्तर: लगान न चुकाने पर ज़मींदार द्वारा किए गए अपमान (धूप में खड़ा करना) के कारण।
6. भक्तिन रसोई में जाने से पहले क्या करती थी?
   - उत्तर: वह कोयले की मोटी रेखा से अपने साम्राज्य (चौके) की सीमा निश्चित करती थी।
7. महादेवी वर्मा को भक्तिन ने क्या बनाना सिखाया?
   - उत्तर: उसने लेखिका को देहाती व्यंजन जैसे मकई का दलिया, लपसी और बाजरे के पुए बनाना सिखाया।
8. भक्तिन चोरी को क्या मानती थी?
   - उत्तर: वह इधर-उधर पड़े पैसों को सँभालकर मटकी में रखने को अपना अधिकार और गृहस्थी का प्रबंधन मानती थी।
9. भक्तिन लेखिका को रात में अकेले क्यों नहीं छोड़ती थी?
   - उत्तर: लेखिका के प्रति अनन्य भक्ति और साथ निभाने की भावना के कारण।
10. लेखिका भक्तिन को 'अपूर्ण' क्यों मानती हैं?
    - उत्तर: क्योंकि वह भक्तिन को खोकर इस संस्मरण की कहानी को पूरा नहीं करना चाहतीं।

भाग 3: तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Short Answer Q&A)

1. भक्तिन और लेखिका के बीच स्वामी-सेवक का संबंध क्यों नहीं था?
   - उत्तर: लेखिका के अनुसार, उनके बीच वैसा औपचारिक संबंध नहीं था क्योंकि लेखिका उसे नौकरी से हटा नहीं सकती थीं और भक्तिन जाने का आदेश

पाकर भी हँस देती थी। वह लेखिका के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गई थी, जैसे घर का कोई सदस्य।

2. पंचायत ने भक्तिन की बेटी के विवाह का क्या फैसला सुनाया और क्यों?
    - उत्तर: पंचायत ने 'अपीलहीन' फैसला सुनाया कि बेटी और उस आवारा युवक को पति-पत्नी के रूप में रहना होगा। यह फैसला न्याय के बजाय 'कलियुग के दोष' का बहाना बनाकर पुरुष-सत्तात्मक सोच को थोपने जैसा था।
3. भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुलझाने का उदाहरण दीजिए।
    - उत्तर: लेखिका को स्त्रियों का सिर मुँडाना पसंद नहीं था, लेकिन भक्तिन हर बृहस्पतिवार सिर मुँडाती थी। जब लेखिका ने रोका, तो उसने तुरंत एक मनगढ़ंत सूत्र कह दिया– "तीरथ गए मुँडाए सिद्ध", जिससे लेखिका निरुत्तर हो गईं।
4. भक्तिन ने लेखिका को किस प्रकार 'देहाती' बना दिया?
    - उत्तर: भक्तिन ने लेखिका की खान-पान की आदतों को बदल दिया। उसने उन्हें मकई का दलिया, मट्ठा, ज्वार की खिचड़ी और गुड़ के साथ मोटी रोटियाँ खाना सिखाया, जबकि उसने खुद शहर का रसगुल्ला तक कभी नहीं चखा।
5. युद्ध के समय भक्तिन की भक्ति का क्या परिचय मिलता है?
    - उत्तर: युद्ध के डर से जब लोग शहर छोड़ रहे थे, तब भक्तिन ने लेखिका से अपने गाँव चलने का अनुरोध किया। उसने अपनी जमा-पूँजी (पाँच बीसी और पाँच रुपए) लेखिका पर खर्च करने का प्रस्ताव रखा, जो उसकी अगाध ममता का प्रमाण था।

भाग 4: पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Answer Q&A)

1. भक्तिन का व्यक्तित्व एक संघर्षशील और स्वाभिमानी स्त्री का व्यक्तित्व है। स्पष्ट कीजिए।
    - उत्तर: भक्तिन का पूरा जीवन संघर्षों की एक लंबी गाथा है। पाँच वर्ष की उम्र में विवाह और छोटी उम्र में ही विमाता का दुर्व्यवहार सहना उसकी पहली चुनौती थी। ससुराल में पुत्र न होने के कारण जेठानियों का अपमान सहते हुए भी उसने अपनी तीन बेटियों को पाल-पोसकर काबिल बनाया। पति की मृत्यु के बाद उसने दूसरा घर नहीं किया और संपत्ति की रक्षा के लिए समाज और

रिश्तेदारों से अकेले लोहा लिया। वह एक स्वाभिमानी महिला थी, जिसने ज़मींदार के अपमान को सहन नहीं किया और स्वावलंबन की तलाश में शहर आ गई। उसका जीवन पितृसत्तात्मक समाज में एक स्त्री की 'अस्मिता' की लड़ाई का प्रतीक है।

2. "स्त्री ही स्त्री की दुश्मन होती है"– भक्तिन के जीवन के संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

    - उत्तर: यह कथन भक्तिन के ससुराल के जीवन में पूर्णतः चरितार्थ होता है। भक्तिन ने जब तीन कन्याओं को जन्म दिया, तो उसकी सास और जेठानियाँ, जिन्होंने बेटों को जन्म दिया था, उससे घृणा करने लगीं। वे खुद मलाईदार दूध-भात खाती थीं और भक्तिन तथा उसकी बेटियों को रूखा-सूखा भोजन (मट्ठा और चने-बाजरे की घुघरी) देती थीं। घर का सारा कठिन काम भक्तिन से कराया जाता था और जेठानियाँ केवल आदेश देती थीं। यह विडंबना ही है कि एक स्त्री होने के बावजूद उन्होंने दूसरी स्त्री (भक्तिन) के प्रति ममता के बजाय ईर्ष्या और शोषण का व्यवहार किया।

3. भक्तिन और लेखिका महादेवी वर्मा के बीच संबंधों की आत्मीयता पर प्रकाश डालिए।

    - उत्तर: भक्तिन और महादेवी वर्मा का संबंध महज़ नौकर और मालकिन का नहीं, बल्कि एक अटूट भावनात्मक बंधन था। भक्तिन लेखिका की छाया बनकर रहती थी; जब लेखिका लिखती थीं, तो वह कभी स्याही उठा लाती, कभी रैक से पुस्तक। वह उनकी पसंद-नापसंद का इतना ध्यान रखती थी कि लेखिका की भूख मिटाने के लिए वह रात-रात भर उनके साथ जागती थी। लेखिका भी उसे अपना 'अंश' मानती थीं और उसकी असुविधाओं को छिपाने लगी थीं। युद्ध के समय या जेल जाने की चर्चा होने पर भक्तिन का लेखिका के साथ जाने की ज़िद करना उनके बीच के निस्वार्थ और प्रगाढ़ प्रेम को दर्शाता है।

4. भक्तिन के चरित्र में दुर्गुणों के होने के बावजूद लेखिका उसे क्यों नहीं खोना चाहती थीं?

    - उत्तर: लेखिका मानती थीं कि भक्तिन में दुर्गुण हैं– वह पैसों को छिपा लेती थी, शास्त्र के प्रश्नों को अपने पक्ष में मोड़ लेती थी और बात को इधर-उधर करके कहती थी। लेकिन ये दुर्गुण उसके सरल ग्रामीण स्वभाव और लेखिका

के प्रति उसके असीम समर्पण के सामने बहुत छोटे थे। वह लेखिका को प्रसन्न रखने के लिए ही 'झूठ' का सहारा लेती थी, जिसे वह धर्मराज युधिष्ठिर के झूठ जैसा मानती थी। उसकी सेवा भावना, ममता और सुरक्षात्मक व्यवहार ने लेखिका के एकाकी जीवन को भर दिया था। उसकी उपस्थिति लेखिका के व्यक्तित्व का हिस्सा बन गई थी, जिसे खोने की कल्पना लेखिका के लिए असहनीय थी।

सोलंकी सर